

सिवनी/ पांडुषा

धूमा, कहानी, घंसौर, लखनादौन, उपरा, चौरई, परासिया, जुन्नारदेव, बिठुआ, अमरवाड़ा

रामाकोना की शासकीय कन्या शाला में भरा पानी

घुटनों तक भरे गंदे पानी से होकर स्कूल पहुंच रहे बच्चे

पांडुण्णा, देशबन्ध। जिले की ग्राम पंचायत रामाकोना स्थित शासकीय कन्या शाला एवं प्राथमिक बालबाल शाला इन दिनों पानी से लबालब भरी हुई है। बच्चियां और बच्चे घुटनों तक गंदे पानी में चलकर स्कूल पहुंच रहे हैं। यह हालात 'बटी पढ़ाओ, बटी बचाओ' और 'स्कूल चले हम' जैसी सरकारी योजनाओं की संचार्वाई को उजागर कर रहे हैं।

यात्रा आ रहे हैं शिवराज मामा-शाला की नहीं बच्चियों की माताएं अब पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को याद कर रही हैं, जिन्हें प्रदेश की बच्चियों आज भी मामा कहकर पुकारती हैं। जब शिवराज मामा थे, तब हमारी बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सुविधा पर जोर दिया जाता था। योजनाएं स्तर पर दिया जाता था। अब तो हाल यह है कि बच्चों को कीचड़ में चलकर स्कूल जाना पड़ रहा है और कोई सुनवाई नहीं है, एक अभिभाविका ने



कमरे जलमग्न, पढ़ाई एक ही कक्ष में

लगातार बारिश के चलते विद्यालय के अधिकतर कमरे पानी से भर गए हैं। कक्ष पहली से आठवें तक के सभी विद्यार्थियों को एक ही कमरे में बैठाकर पढ़ाया जा रहा है। प्रधान पाठक किंग कुरोटे ने बताया कि कई बार ग्राम पंचायत एवं शिक्षा विभाग से कमरों की मांग को गहरा, लेकिन सिर्फ आश्वासन मिला। शाला में सफाईकर्मी द्वारा उपरोग में लाए जा रहे कमरों को शाला को देने की मांग भी अधूरी ही रही।

रोष जाताया। अब जबकि मामा केंद्र में की सरकार है, लेकिन जमीन पर न बच्चे कृषि मंत्री बन गए हैं, प्रदेश में मोहन चाचू सुरक्षित हैं, न बेटियां पढ़ पा रही हैं। वही

शिक्षा विभाग मौन, पालकों में आक्रोश

न तो पानी की निकासी का इंतजाम, न ही बच्चों के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था, न ही पंचायत प्रतिनिधियों की कोई सक्रियता। अधिकारियों ने सबाल उठाया है कि जब शासकीय योजनाओं की आइ में करोड़ों खर्च हो रहे हैं, तो फिर ऐसी दुर्दशा क्यों? क्यों नौनिहालों को उनके मूलभूत अधिकारों से वंचित

स्कूल के रास्तों पर आवारा लोकर युवाओं महिलाएं और माताएं कह रही हैं हमें का जमावड़ा है। यही कारण है कि गवर्नर की शिवराज मामा फिर से चाहिए।

किसानों ने भुगतान की मांग को लेकर एसडीओपी को दिया ज्ञापन

चौरई, देशबन्ध। चौरई क्षेत्र के ग्राम में होगा, घोघरी, डुंगरिया, कुंडा, आमाबोह, परासिया, जुरतरा, गोपालपुर, केदारपुर व अन्य असापास के ग्रामीणों ने शनिवार को कुंडा के गलता व्यापारी मदन साह के द्वारा मक्का फसल की खरीदी का भुगतान न देने की शिकायत पर चौरई एस डी ओपी को लोट्टो कांगेस अध्यक्ष तीरथ सिंह ठाकुर के साथ मिलकर एक ज्ञान साह लोकर यात्रा व्यापारी के द्वारा फसल खरीदी के बाद कपी समय से भुगतान देने हेतु आनकानी की जा रही है और किसानों को वर्तमान में बारिश की की फसल मक्का आइ के खाद, बीज व अन्य कार्यों हेतु किसानों को पैसों की अत्यत आवश्यकता है। पैसों के अधिक में किसान परेशान हैं ज्ञापन के माध्यम से किसानों को अपनी उपज के जल्द भुगतान की मांग चौरई पर एस डी ओपी से की जाए।

इस मोक्ष पर तीरथ सिंह ठाकुर के साथ सचिन वर्मा, अमन वर्मा, सागर वर्मा, तुलसीराम वर्मा, राकेश यादव, गोलू वर्मा, जयनाथ वर्मा, तुलाराम वर्मा, शिवनाथ वर्मा, संतोष यादव, नेमीचंद वर्मा, गोपाल नायक, श्रीप्रसाद यादव, सुनील ठाकुर, संतोष कुमार यादव, वैजनाथ सनाडिया आइ कृषक उपस्थित थे।

सार-समाचार

कन्हान बचाओ मंच की पहल के बाद कंपनी ने खोला मार्ग

जुन्नारदेव, देशबन्ध। सड़क निर्माण कंपनी द्वारा बीते लगभग 04 माह पूर्व श्री राम तिराहा से नगर में प्रवेश के मुख्य मार्ग को बंद कर वैकल्पिक मार्ग से आवागमन चालू कराया गया था। नगर सहित क्षेत्रवासी लंबे समय से वैकल्पिक मार्ग में सुधार अथवा श्री राम तिराहा से नगर में प्रवेश के मार्ग को खोला जाने की मांग पर उत्तर मार्ग को आवागमन हेतु खोल दिया गया है मार्ग खोले जाने के बाद क्षेत्रवासियों ने रहत की साथ ली है।

बढ़ रहा चोरियों का ग्राफ, ग्रामीणों ने चौकी में दर्ज कराई शिकायत

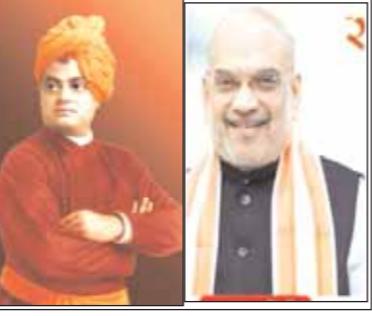
पिपला नारायणवार, देशबन्ध। सौसर तहसील क्षेत्र के पिपला नारायण वार, पुलिस चौकी के अंतर्गत आने वाले नगर एवं ग्रामों में इन दिनों चोरियों का ग्राफ बढ़ते जा रहा है। आए दिन जिसके चारों के आतंक से ग्रामीण, किसान वर्ग परेशन हो रहा है जिसके लेकर केवल यारी पुलिस चौकी में शिकायत करने के बावजूद बढ़ती चोरियों पर अंकुश नहीं लगते दिख रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में खेती किसानों का समान भी अब सुरक्षित नहीं है। पशुओं, बकरियों की चोरी के बाद अब किसानों के अनुसर मगलवार का पींडित ग्रामीणों ने पिपला पुलिस चौकी के पींडित करा रहा है। जिसके लिए चौकी के नाम जोड़ने के अनुसर मगलवार को अनुसर मगलवार का पींडित ग्रामीण है।

अप्रूप इंडस्ट्रीज के बाइस चैयरमैन अमृत साह मिलत विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

यह संगठन किसी भी राजनीतिक पार्टी से जुड़ा नहीं है और परिषद के मुख्य कार्यक्रम के रूप में गोटेंगांव विधायक नामीरों तरह रहा है। इस दिन किसी भी राजनीतिक पार्टी से जुड़ा नहीं है और परी तरह निःस्वार्थ भाव से समाजोंका उद्देश्य है—सामाजिक विकास करना।

परिषद 5 सिंधुपांतों पर काम करती है—संपर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा और समर्पण। आज



अलावा परिषद के राष्ट्रीय संसरक्षक प्रो. कै.के. अग्रवाल और राष्ट्रीय महामंत्री दुर्गा दत्त शर्मा भी मौजूद रहे।

भारत विकास परिषद एक सामाजिक मार्ग पर उत्तराधिकारी एवं अधिकारी एवं वैकल्पिक संस्कृतिक संगठन है। इसकी स्थापना 1963 में हुई थी। परिषद का उद्देश्य है—सामाजिक विकास कार्यक्रम का विकास करना।

यह संगठन किसी भी राजनीतिक पार्टी से जुड़ा नहीं है और परी तरह निःस्वार्थ भाव से समाजोंका उद्देश्य है।

परिषद के मुख्य कार्यक्रम में सोनालिका अधिकारी एवं वैकल्पिक संस्कृतिक संगठन है। इसकी स्थापना 1963 में हुई थी। परिषद का उद्देश्य है—सामाजिक विकास कार्यक्रम का विकास करना।

यह संगठन किसी भी राजनीतिक पार्टी से जुड़ा नहीं है और परी तरह निःस्वार्थ भाव से समाजोंका उद्देश्य है।

परिषद के मुख्य कार्यक्रम में सोनालिका अधिकारी एवं वैकल्पिक संस्कृतिक संगठन है। इसकी स्थापना 1963 में हुई थी। परिषद का उद्देश्य है—सामाजिक विकास कार्यक्रम का विकास करना।

यह संगठन किसी भी राजनीतिक पार्टी से जुड़ा नहीं है और परी तरह निःस्वार्थ भाव से समाजोंका उद्देश्य है।

परिषद के मुख्य कार्यक्रम में सोनालिका अधिकारी एवं वैकल्पिक संस्कृतिक संगठन है। इसकी स्थापना 1963 में हुई थी। परिषद का उद्देश्य है—सामाजिक विकास कार्यक्रम का विकास करना।

यह संगठन किसी भी राजनीतिक पार्टी से जुड़ा नहीं है और परी तरह निःस्वार्थ भाव से समाजोंका उद्देश्य है।

परिषद के मुख्य कार्यक्रम में सोनालिका अधिकारी एवं वैकल्पिक संस्कृतिक संगठन है। इसकी स्थापना 1963 में हुई थी। परिषद का उद्देश्य है—सामाजिक विकास कार्यक्रम का विकास करना।

यह संगठन किसी भी राजनीतिक पार्टी से जुड़ा नहीं है और परी तरह निःस्वार्थ भाव से समाजोंका उद्देश्य है।

परिषद के मुख्य कार्यक्रम में सोनालिका अधिकारी एवं वैकल्पिक संस्कृतिक संगठन है। इसकी स्थापना 1963 में हुई थी। परिषद का उद्देश्य है—सामाजिक विकास कार्यक्रम का विकास करना।

यह संगठन किसी भी राजनीतिक पार्टी से जुड़ा नहीं है और परी तरह निःस्वार्थ भाव से समाजोंका उद्देश्य है।

परिषद के मुख्य कार्यक्रम में सोनालिका अधिकारी एवं वैकल्पिक संस्कृतिक संगठन है। इसकी स्थापना 1963 में हुई थी। परिषद का उद्देश्य है—सामाजिक विकास कार्यक्रम का विकास करना।

यह संगठन किसी भी राजनीतिक पार्टी से जुड़ा नहीं है और परी तरह निःस्वार्थ भाव से समाजोंका उद्देश्य है।

परिषद के मुख्य कार्यक्रम में सोनालिका अधिकारी एवं वैकल्पिक संस्कृतिक संगठन है। इसकी स्थापना 1963 में हुई थी। परिषद का उद्देश्य है—सामाजिक विकास कार्यक्रम का विकास करना।